श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटड़ा

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

वार्षिक प्रगति—विवरण 2010-2012

(श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल, चरणपादुका, कटडा का दृश्य)

श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल, चरणपादुका, कटड़ा

1. परिचय

1.1 श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल कटड़ा से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका में स्थित है। इस गुरुकुल की स्थापना एवं संचालन **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक कक्षा प्रकोष्ठ, छात्रावास, आचार्य निवास एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

1.2 गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य

- भावी पीढी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सुन्दर समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना।
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करना।
- भावी पीढी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना।
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना।
- नई पीढी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

(कक्षा में छात्र)

(अध्यापक के साथ प्रथम एवं द्वितीय सत्र के छात्रों का समूह)

1.3 सम्बद्धता

इस गुरुकुल को प्रथमा से आचार्य कक्षा पर्यन्त **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से स्थाई सम्बद्धता प्राप्त है।

विषय

प्रथमा से लेकर आचार्य पर्यन्त वेद, साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष पारम्परिक विषयों के साथ ही विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणक–शिक्षा आधुनिक विषय भी है। इसके अतिरिक्त योग एवं संगीत का भी शिक्षण किया जाता है।

1.4 व्यवस्था

छात्रों हेतु

- गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा द्वारा निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की समुचित व्यवस्था है।

(भोजनालय में छात्र)

- छात्रों के आरोग्य हेतु चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था है।

- छात्रों हेतु क्रीडार्थ गुरुकुल परिसर में सुन्दर वास्केटबाल संकुल, वालीवॉल संकुल एवं अन्य क्रीडा क्षेत्र है।

(क्रीड़ा स्थल में छात्र)

(क्रीड़ा स्थल में छात्र)

(योगाभ्यास करते छात्र)

(योगाभ्यास करते छात्र)

- गुरुकुल में आधुनिक शिक्षण को अग्रसारित कराने हेतु सुन्दर संगणक कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशाला भी है।

- गुरुकुल में छात्रों हेतु दैनिक अध्ययनार्थ पुस्तकालय की भी व्यवस्था है। जिसमें पारम्परिक विषयों की पुस्तकों के साथ आधुनिक पुस्तकों का भी संग्रह है।

(पुस्तकालय में छात्र)

(पुस्तकालय में छात्र)

(पुस्तकालय में शब्दकोशों का परामर्श करते छात्र)

(गुरुकुल में मंदिर व यज्ञशाला)

<u>अध्यापकों हेतु</u> —

गुरुकुल में अध्यापन कराने वाले आचार्य हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास की व्यवस्था उपलब्ध है।

1.5 <u>प्रवेश प्रक्रिया</u> —

गुरुकुल में प्रथमा—प्रथम वर्ष में ही प्रवेश लिया जाता है। वही छात्र अग्रिम कक्षाओं में प्रवेशित होते हैं। छात्रों का प्रवेश एक प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होता है। जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली जाती है।

(गुरुकुल में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार)

2. गुरुकुल संचालन समिति —

2.1 गुरुकुल को समुचित रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर कराने हेतु एक सर्वोच्च समिति स्थापित है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं—

1) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया,
कुलपति,
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू। : अध्यक्ष

2) मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

3) प्रो० युगलकिशोर मिश्र,
पूर्व कुलपति
राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर। : सदस्य

4) अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

5) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री,
पूर्व प्राचार्य,
राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू : सदस्य

6) मुख्य लेखाधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

7) प्रशासक,
श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटडा : सदस्य

8) मुख्य पुजारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा : सदस्य

(शासी परिषद की बैठक प्रगति में)

2.2 शासी परिषद की अब तक **07** बैठकें आयोजित हो चुकी है जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

3. प्रगति—विवरण (सत्र—2010 से 2012 तक):

3.1 छात्र—प्रवेश —

- **सत्र 2010—2011** के लिए दिनांक **09—05—2010** को एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी। जिसमें **75 छात्रों** ने भाग लिया। जिसमें से **20 छात्रों** का चयन हुआ।

- **सत्र 2011—2012** के लिए दिनांक **04—05 मार्च 2011** को एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी। जिसमें **126 छात्रों** ने भाग लिया। जिसमें से **25 छात्रों** का चयन हुआ।

- **सत्र 2012—2013** के लिए दिनांक **04 एवं 06 मार्च 2012** को एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी। जिसमें **161 छात्रों** ने भाग लिया। जिसमें से **22 छात्रों** का चयन हुआ।

3.2 नवीन सत्रारम्भ —

- **2010—2011** का शैक्षिक सत्रारम्भ दिनांक **02—07—2010** को हुआ।
- **2011—2012** का शैक्षिक सत्रारम्भ दिनांक **01—04—2011** को हुआ।
- **2012—2013** का शैक्षिक सत्रारम्भ दिनांक **06—04—2012** को हुआ।

4. यज्ञोपवीत—संस्कार:

4.1 गुरुकुल में प्रवेशित छात्रों का यज्ञोपवीत—संस्कार सम्पादन हेतु प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में यज्ञोपवीत—संस्कार कार्यक्रम का आयोजन गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में होता है।

(नवप्रवेशी छात्रों का यज्ञोपवीत संस्कार)

5. **चण्डीयज्ञ :**

5.1 गुरुकुल में प्रतिवर्ष शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्र के उपलक्ष्य में अध्ययनरत छात्रों को कर्मकाण्ड—प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया जाता रहा है। जिसमें गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञ—सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

6. **शैक्षिक भ्रमण —**

6.1 गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को मनोरंजन एवं बाहरी वातावरण से अवगत कराने के उद्देश्य से **08—04—2012** को **मानसर झील** का भ्रमण कराया गया।

7. **भवन दर्शन —**

7.1 गुरुकुल के छात्रों को आध्यात्मिक चेतनाओं से अभिभूत करने के उद्देश्य से माता वैष्णो देवी दर्शनार्थ **भवन** ले जाया गया।

8. **आचार्य—अभिभावक सम्मेलन —**

8.1 गुरुकुल में समय—समय पर छात्रों के अध्ययन—अध्यापन के विषय में चर्चा हेतु प्रशासक की उपस्थिति में आचार्य—अभिभावक सम्मेलन होता रहा।

9. **वार्षिक परीक्षाफल** —

9.1. **सत्र 2010–2011 की वार्षिक—परीक्षाफल निम्न रहा —**

क्र.सं.	कक्षा	छात्रसंख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	उत्तीर्णता प्रतिशत
01.	प्रथमा— प्रथम वर्ष	18	05	12	01	100%

9.2. **सत्र 2011–2012 की वार्षिक—परीक्षाफल निम्न रहा —**

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	उत्तीर्णता प्रतिशत
01.	प्रथमा— प्रथम वर्ष	22	12	08	02	100%
02.	प्रथमा— द्वितीयवर्ष	17	11	06	00	100%

10. गुरुकुल परिसर का निर्माण वर्ष **2004** में शुरू किया गया था और परिसर के पहले चरण का निर्माण वर्ष **2011** में पूरा किया गया जिसमें यह शामिल थे —

1) स्कूल भवन — दो मंजिला
2) छात्रावास भवन चार (G+3) मंजिला
3) रसोई घर व भोजनालय
4) कर्मचारियों के लिए **2** कमरों वाले **6** समूह
5) मंदिर
6) यज्ञशाला
7) बास्केटबॉल कोट

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का एक दृश्य)

11. गुरुकुल निर्माण पर मार्च, **2012** के अंत तक **`682.51** लाख का नीचे लिखित व्यय किया गया है—

1.	पूँजीगत व्यय	**`485.47** लाख
2.	स्थापना पर व्यय	**` 68.85** लाख
3.	दैनिक छात्रों पर व्यय	**` 75.44** लाख
4.	अन्य प्रमुख वस्तुओं पर व्यय	**` 52.75** लाख
5.	सम्पूर्ण व्यय	**`682.51** लाख

12. विशिष्ट अतिथियों का आगमन—

गुरुकुल स्थापना के अनन्तर अनेक विशिष्ट अतिथियों का समय—समय पर आगमन होता रहा। जिसमें प्रमुख हैं—

1) महामहिम राज्यपाल एन. एन. बोहरा जी, अध्यक्ष श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड जम्मू व कश्मीर ।
2) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया, आई.एस.एस., कुलपति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
3) प्रो० युगलकिशोर मिश्र, पूर्व कुलपति राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
4) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रीय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू।
5) प्रो० रामानुज देवनाथन, कुलपति राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
6) प्रो० श्रीधर वसिष्ठ, पूर्व कुलपति लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
7) प्रो० बलदेव मेहरा, सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली।
8) श्री डी.सी. रैना, वरिष्ठ अधिवक्ता, जम्मू।
9) श्री नवीन कुमार चौधरी, आई.ए.एस्. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा।
10) प्रो० टी. आर. थापक, कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन।
11) श्रीमती अनीता भटनागर जैन, आई.ए.एस्. संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

12. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम —

12.1 गुरुकुल स्थापना के पश्चात् संस्थागत पुजारी एवं बाहरी पुजारियों को कर्मकाण्ड से सम्बन्धित प्रशिक्षण के उद्देश्य से दिनांक **15—06—2010** को श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी **डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी** जी द्वारा **चतुर्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम** का उद्घाटन गुरुकुल परिसर में हुआ। कालान्तर में यह कार्यक्रम षड्दिवसीय होकर चलायमान है। जिसमें अद्यावधि **संस्थागत पुजारी 70** एवं **बाहरी पुजारी 91** ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रस्तुत पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में समय—समय पर अनेक विशिष्ट जनों ने भी सम्बोधित किया।

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में अध्ययनरत प्रतिभागी)

13. **<u>सौर ऊर्जा</u> –**

13.1 गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों का अध्ययन एवं आवश्यक कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र स्थापित किया गया है।

(गुरुकुल में स्थापित सौर ऊर्जा यन्त्र)

14. **<u>भविष्य की योजनाएँ</u> —**

14.1 गुरुकुल में विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए भोजनालय के ऊपर **8** अतिरिक्त शयनागार बनाने का काम चल रहा है। इससे **48** अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधा मिल सकेगी। अतः इन को मिलाकर कुल **25** शयनागार बन जाने से **116** विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधा हो जाएगी।

14.2 अतिरिक्त / उच्च कक्षाओं को चलाने के लिए गुरुकुल में अधिक अध्ययनकक्ष बनाने की भी योजना है।

14.3 आचार्यों तथा अध्यापकों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को देखते हुए गुरुकुल परिसर में एक अतिरिक्त समूह जिसमें **2** कमरों वाले **6** समूह होंगे का निर्माण चल रहा है।

14.4 गुरुकुल में बच्चों के कपड़ों की धुलाई की आवश्यकताओं को देखते हुए लांड्री प्लांट लगाया जा रहा है।

14.5 भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल भाग—**2** बनाने का प्रावधान है जो कि **12** कनाल भूमि पर निर्माण किया जाएगा। इसमें आचार्यों, विद्यार्थियों, गुरुकुल के अन्य कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा के अतिरिक्त यज्ञशाला और मंदिर का निर्माण भी किया जाएगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।।
।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।